

भारत की जलवायु

- ❖ एक विशाल क्षेत्र में लंबे समयावधि (30 वर्ष से अधिक) में मौसम की अवस्थाओं तथा विविधताओं का कुल योग ही जलवायु है।
- ❖ मौसम एक विशेष समय में एक क्षेत्र के वायुमंडल की अवस्था को बताता है।
- ❖ मौसम तथा जलवायु के तत्त्व, जैसे तापमान, वायुमंडलीय दाब, पवन, आर्द्रता तथा वर्षण एक ही होते हैं।
- ❖ मौसम की अवस्था प्रायः एक दिन में ही कई बार बदलती है।
- ❖ लेकिन फिर भी कुछ सप्ताह, महीनों तक वायुमंडलीय अवस्था लगभग एक समान ही बनी रहती है, जैसे दिन गर्म या ठंडे, हवादार या शांत, आसमान बादलों से घिरा या साफ तथा आर्द्र या शुष्क हो सकते हैं।
- ❖ महीनों के औसत वायुमंडलीय अवस्था के आधार पर वर्ष को ग्रीष्म, शीत या वर्षा ऋतुओं में विभाजित किया गया है।
- ❖ मानसून शब्द की व्युत्पत्ति अरबी शब्द 'मौसिम' से हुई है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- मौसम।
- ❖ मानसून का अर्थ, एक वर्ष के दौरान वायु की दिशा में ऋतु के अनुसार परिवर्तन है।
- ❖ भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहा जाता है।
- ❖ किसी भी क्षेत्र की जलवायु को नियंत्रित करने वाले छः प्रमुख कारक हैं अक्षांश, तुंगता (ऊँचाई), वायु दाब एवं पवन तंत्र, समुद्र से दूरी, तथा उच्चावच।
- ❖ जब कोई व्यक्ति पृथ्वी की सतह से ऊँचाई की ओर जाता है, तो वायुमंडल की सघनता कम हो जाती है तथा तापमान घट जाता है।
- ❖ पहाड़ियाँ गर्मी के मौसम में भी ठंडी होती हैं।
- ❖ किसी भी क्षेत्र का वायु दाब एवं पवन तंत्र उस स्थान के अक्षांश तथा ऊँचाई पर निर्भर करती है।
- ❖ विश्व के अधिकतर मरुस्थल उपोष्ण कटिबंधीय भागों में स्थित महाद्वीपों के पश्चिमी किनारे पर स्थित हैं।
- ❖ पर्वतों के पवनविमुख ढाल अपेक्षाकृत सुखे रहते हैं।

❖ भारत की जलवायु में उष्ण कटिबंधीय जलवायु एवं उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु दोनों की विशेषताएँ उपस्थित हैं।

❖ भारत में जलवायु तथा संबंधित मौसमी अवस्थाएँ निम्नलिखित वायुमंडलीय अवस्थाओं से संचालित होती हैं:

❖ कोरिआलिस बल: पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न आभासी बल को कोरिआलिस बल कहते हैं।

❖ इस बल के कारण पवनें उत्तरी गोलार्द्ध में दाहिनी ओर तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में बाईं ओर विक्षेपित हो जाती हैं। इसे फेरल का नियम भी कहा जाता है।

❖ मानसूनी जलवायु की विशेषता एक विशिष्ट मौसमी प्रतिरूप होता है। एक ऋतु से दूसरे ऋतु में मौसम की अवस्थाओं में बहुत अधिक परिवर्तन होता है। विशेषकर देश के आंतरिक भागों में, ये परिवर्तन अधिक मात्रा में परिलक्षित होते हैं। तटीय क्षेत्रों के तापमान में बहुत अधिक भिन्नता नहीं होती है, यद्यपि यहाँ वर्षा के प्रारूपों में भिन्नताएँ होती हैं। आप अपने क्षेत्र में कितने प्रकार की ऋतुओं का अनुभव करते हैं। भारत में मुख्यतः चार ऋतुओं को पहचाना जा सकता है। ये हैं, शीत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, कुछ क्षेत्रीय विविधताओं के साथ मानसून के आगमन तथा वापसी का काल।

❖ शीत ऋतु में, देश में उत्तर-पूर्वी व्यापारिक पवनें प्रवाहित होती हैं।

❖ ये स्थल से समुद्र की ओर बहती हैं तथा इसलिए देश के अधिकतर भाग में शुष्क मौसम होता है।

❖ इन पवनों के कारण कुछ मात्रा में वर्षा तमिलनाडु के तट पर होती है, क्योंकि वहाँ ये पवनें समुद्र से स्थल की ओर बहती हैं।

❖ शीतकाल में वर्षा, जिसे स्थानीय तौर पर 'महावट' या मावठ कहा जाता है,

❖ लू, ग्रीष्मकाल का एक प्रभावी लक्षण है। ये धूल भरी गर्म एवं शुष्क पवनें होती हैं, जो कि दिन के समय भारत के उत्तर एवं उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में चलती हैं।

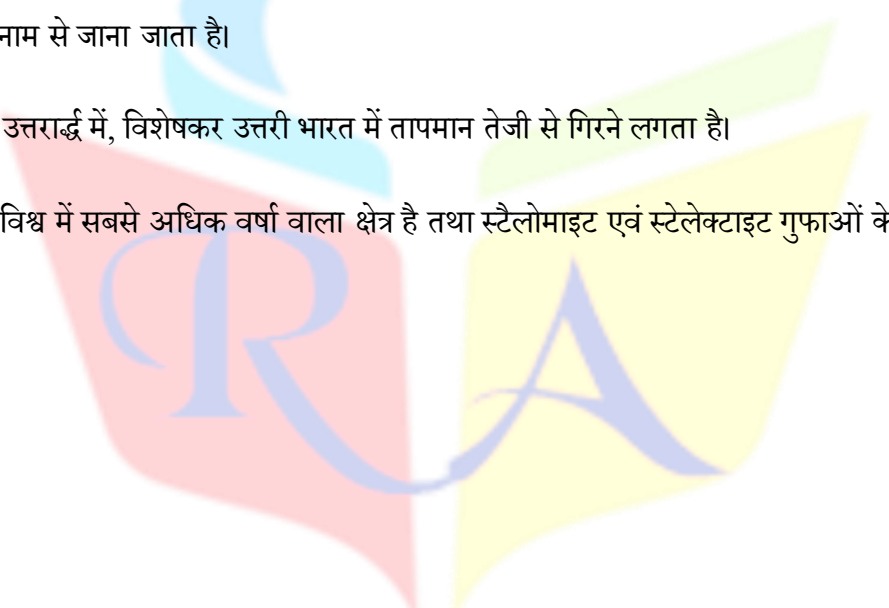
❖ वैशाख के महीने में होने के कारण पश्चिम बंगाल में इसे 'काल वैशाखी' कहा जाता है।

❖ ग्रीष्म ऋतु के अंत में कर्नाटक एवं केरल में प्रायः पूर्व-मानसूनी वर्षा होती है। इसके कारण आम जल्दी पक जाते हैं तथा प्रायः इसे 'आम्र वर्षा' भी कहा जाता है।

❖ मासिनराम विश्व में सबसे अधिक औसत वर्षा प्राप्त करता है।

❖ गंगा की घाटी में पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा घटती जाती है।

- ❖ अक्तूबर के प्रारंभ में मानसून पवनें उत्तर के मैदान से हट जाती हैं।
- ❖ अक्तूबर एवं नवंबर का महीना, गर्म वर्षा ऋतु से शीत ऋतु में परिवर्तन का काल होता है।
- ❖ मानसून की वापसी होने से आसमान साफ एवं तापमान में वृद्धि हो जाती है।
- ❖ दिन का तापमान उच्च होता है, जबकि रातें ठंडी एवं सुहावनी होती हैं।
- ❖ उच्च तापमान एवं आर्द्रता वाली अवस्था के कारण दिन का मौसम असह्य हो जाता है। इसे सामान्यतः 'क्वार की उमस' के नाम से जाना जाता है।
- ❖ अक्तूबर के उत्तरार्द्ध में, विशेषकर उत्तरी भारत में तापमान तेजी से गिरने लगता है।
- ❖ मासिनराम विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र है तथा स्टैलोमाइट एवं स्टेलेक्टाइट गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है।



Ranu Academy